भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह, नवम्बर, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

आपकी जीवन साथी की स्वच्छ सोच और निर्मल मानसिकता के चलते आपका पारिवारिक जीवन बचा रहेगा। विरोधियों की सक्रियता आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। उच्च शिक्षा सम्बन्धी कार्य उत्थान पथ की ओर अग्रसर होंगे। माह के प्रथम सप्ताह मे व्यवसायिक कार्ययोजनायें बेहतर प्रतीत होंगी। खान–पान व्यवस्था मे विभिन्नता की प्रक्रिया समझ मे आयेगी। तारीख 2, 3, 4, 8, 9, 10, 11, 12 प्रगति सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊं हं हनुमते नमः मन्त्र का 108 बार प्रतिदिन जप उत्तम है।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 नवम्बर

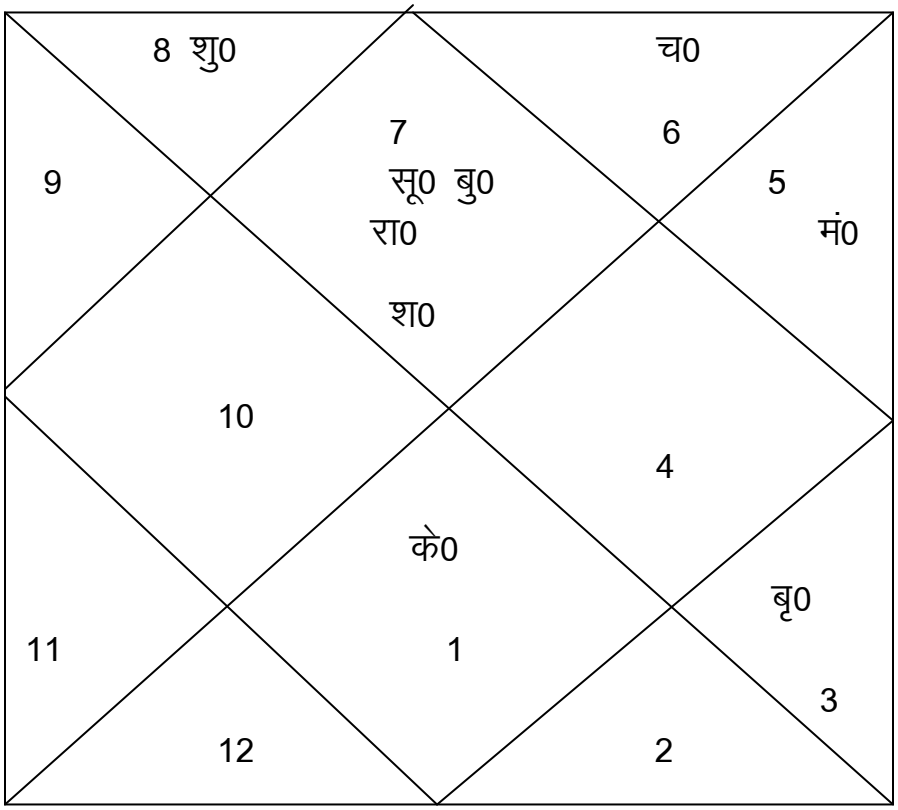

वृषः— ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

लाभ और खर्च के मध्य सरलता के साथ सामन्जस्य स्थापित करने मे सफल होंगे। कुटुम्ब के सदस्यों के प्रति माया मोह मे विस्तार होगा। जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। संतान पक्ष को मिलता शारीरिक कष्ट आपकी मानसिक अशान्ति का कारण बन सकता है। धनागम सम्बन्धी कार्य योजनायें विस्तृत आकार ले सकती हैं। निम्न स्तर की संगति से अपने आप को बचाये रखना हितकर प्रतीत होगा। एकत्रित यात्रा प्रकरण मिश्रित परिणाम के सूचक सिद्ध होंगे। तारीख 3, 4, 5, 6, 10, 11, 12 शुभकारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊं यें क्लीं शुभ गुणाय नमः मन्त्र का जप प्रतिदिन 108 बार करना हितकर होगा।

मिथुनः— का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

अमोद–प्रमोद के संसाधन जुटाने के प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। अनायास वित्तीय कार्य उत्थान मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। रुठे हुये प्रियजनो के साथ अचानक मेल मिलाप बड़ेगा। राजनैतिक कार्यों मे आपकी दबाव बनाने की रणनीति कारगर सिद्ध हो सकती है। माह के दूसरे सप्ताह मे व्यापारिक क्रिया–कलाप लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। संतान पक्ष का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य मानसिक परेशानी का सबब बन सकता है। ग्रहस्थ आश्रम से जुड़ी हुयी गतिविधियां सरलता के साथ सम्पन्न होंगी। विरोधियों का आप पर बड़ता हुआ दबाव मनः स्थिति को परिवर्तित करेगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 13, 14, 15 उन्नति कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण हेतु छोटे बच्चों को हरे वस्त्र का दान करना बेहतर होगा।

कर्कः— ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

सार्थकता पूर्ण कार्यों के चलते व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। महिला मित्र मन्डली का सहयोग शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे अधिकाधिक मिल सकता है। शेयर बाजार मे लगाई गयी पूंजी आंशिक लाभदायक प्रतीत होगी। मनोरंजन कार्यों मे प्रगति पथ की ओर अग्रसर रहेंगे। कैरियर से जुड़े मामले बेहतरी की दिशा मे बड़ते प्रतीत होंगे। ग्रहस्थ जीवन सामान्य प्रक्रिया की तरह चलता फिरता प्रतीत होगा। बातचीत मे सौम्य भाषा शैली ही बेहतर प्रतीत होगी। तारीख 1, 2, 6, 7, 8, 9, 10 शुभकारक सिद्ध होगें। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ क्षीण पापाय नमः मन्त्र का 108 बार जप करना बेहतर प्रतीत होगा।

सिंहः— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

लगातार वाद विवाद भय की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि के कारण परिजनों से आपके वैचारिक मतभेद बड़ सकते हैं। माह की शुरुआत मे उच्च शिक्षा, उच्च डिग्री से जुड़ी गतिविधियां लाभ की ओर अग्रसर होंगी। ग्रहस्थ जीवन मे विध्न बाधाओं की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। आय और खर्च के मध्य सन्तुलन स्थापित करने मे कठिनाइयां आयेंगी। माह के दूसरे सप्ताह मे क्रय–विक्रय कार्य सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। विरोधियों के साथ तालमेल स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। धार्मिकता का अभाव प्रतीत होगा। तारीख 2, 3, 4, 8, 9, 10, 11, 12 उन्नतिकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण हेतु केसर, खस, मैनसिल आदि वस्तुओं का दान करना उत्तम होगा।

कन्याः— टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

माह की शुरुआत मे स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। आप द्वारा पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन बड़ सकता है। अहंकार की पुष्टि करता हुआ आपका व्यवहार परिजनो के मध्य तनाव का वातावरण बनायेगा। उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा आदि से सम्बन्धित कार्यक्रम स्त्री सहयोग के चलते सरलता से सम्पन्न होंगे। कुसंगति मानसिक परेशानी की रुपरेखा निर्धारित कर सकती है। माह के आखिरी सप्ताह मे जीविकोपार्जन सम्बन्धी क्रिया कलापों से लाभदायक स्थितियां निर्मित होंगी। आर्थिक लाभ के सुअवसर भी उपलब्ध होंगे। तारीख 4, 5, 6, 10, 11, 12, 13, 14 प्रगति सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये बुध नमस्कार मंत्र का जप करना हितकर होगा।

तुलाः— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

वाणी मे सौम्यता और शिष्टाचार की अनुभूति के चलते परिजन प्रभावित होंगें माह के प्रथम सप्ताह मे व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। कुसंगति के कारण मन मलीन रहेगा। संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। धर्म अध्यात्म के मार्ग पर आपकी लगातार लाभदायक स्थितियां मिलती प्रतीत होंगी। माह की शुरुआत मे भागदौड़ की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी और स्वास्थ्य मे शिथिलता प्रतीत होगी। सच और झूठ की कसौटी पर सत्य के मानसिक रुप से पक्षधर होंगे। माह के अंतिम सप्ताह मे राजद्वारीय मामलो मे प्रगति होगी। तारीख 2, 3, 4, 6, 7, 8, 13, 14 शुभ है। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार के दिन जेब मे सफेद रुमाल रखना हितकर सिद्ध होगा।

वृश्चिकः— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

रोजी रोटी की दिशा मे किये गये प्रसास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। वित्तीय कार्यों मे सतर्क रहकर प्रयास करें सफलता प्राप्त होगी। कैरियर की दिशा मे बेहतर स्थितियां बनती प्रतीत होंगी। जीवन साथी का सहयोग और सानिध्य पूरे माह को यादगार बनायेगा। अनैतिक संगति मानसिक तनाव का वातावरण बना सकती है। माह का दूसरा सप्ताह शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे सफलता कारक सिद्ध होगा। खान–पान व्यवस्था अति उत्तम रहेगी। व्यापारिक कार्य सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। खर्च के अधिकाधिक श्रोत उत्पन्न होते रहेंगे। संतान पक्ष की घुमक्कड़ प्रवृत्ति आपको परेशान करेगी। तारीख 4, 5, 6, 8, 9, 10, 15, 16, 17 प्रगति सूचक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ महीसुताय नमः मन्त्र का जप 108 बार मंगलवार शुरु कर प्रतिदिन करें लाभ होगा।

धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

व्यवसाय के क्षेत्र मे उत्तरोत्तर प्रगति की स्थिति बनेगी। शासन प्रसासन सम्बन्धी कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। धार्मिक मानसिकता अधार्मिकता की ओर परिवर्तित होगी। माह का पहला सप्ताह लाभ ही लाभ लेकर आयेगा। राजनैतिक कूटनैतिक मामले लाभ की ओर अग्रसर रहेंगे। सत्य और असत्य के मध्य सन्तुलन बेहतर तरीके से स्थापित रहेगा। सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोक्त पर बड़ा बजट खर्च हो सकता है। शिक्षण, प्रशिक्षण सम्बन्धी कार्यों मे प्रगतिशील पथ की ओर अग्रसर होंगे। यात्रा प्रसंग सार्थक परिणाम के सूचक सिद्ध होंगे। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 उन्नति कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण हेतु 09 गुरुवार को 09 पीले कनेर और 09 चमेली के पुष्प जल मे प्रवाहित करें। लाभान्वित रहेंगे।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

राजद्वारीय मामलो मे आशानुकूल सफलता प्राप्त होगी। ग्रहस्थ जीवन की गाड़ी कठिनाइयों के साथ पटरी पर बनी रहेगी। पारिवारिक सदस्यों से अप्रिय बातचीत के प्रसंगो पर संयमित वाणी का प्रयोग हितकर सिद्ध होगा। माह का पहला सप्ताह शासन प्रशासन से सम्बन्धित मामलो और वित्तीय दृष्टिकोण से अति उत्तम सिद्ध होगा। पेट सम्बन्धी रोग, कब्ज आदि से शारीरिक कष्ट रहेगा। दूसरे सप्ताह मे शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे प्रगतिशील सुअवसर आयेंगे। स्त्रीपक्ष का आशानुरुप सहयोग प्राप्त होगा। अनायास किसी धार्मिक यात्रा मे अवरोध आयेंगे। तारीख 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10 प्रगति कारक सिद्ध होगा। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ निर्णुणाय नमः मन्त्र का जप प्रतिदिन 108 बार करना हितकर सिद्ध होगा।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

राजनैतिक जन सम्पर्कों के कारण कई बिगड़ते कार्य भी संभल सकते हैं। व्यवसाय मे अभी किसी भी प्रकार का जोखिम भरा निर्णय लेना अहितकर होगा। जीवन संगिनी के साथ तीखी नोंक झोंक का सामना करना पड़ सकता है। खान–पान व्यवस्था भी अव्यवस्थित प्रतीत होगी। रोजगार कैरियर आदि से जुड़े मामलो मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होगी। व्यवस्तता के अतिरिक्त कार्यक्रम तनाव ग्रस्त स्थिति निर्मित कर सकते हैं। अध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियां अंजाम तक पहुंच सकती है। माह का तीसरा सप्ताह सभी मामलो मे महत्वपूर्ण प्रतीत होगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12 उत्तम है। अरिष्ट निवारण के लिये शनिवार को सायंकाल पीपल के वृक्ष के नीचे कडुये तेल का दीपक जलायें।

मीनः– दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

विरोधियों पर मानसिक दबाव बनाने मे कामयाब सिद्ध होंगे। ईश्वर अराधना के प्रति प्रबल धार्मिक आस्था रहेगी। भागदौड़ की अधिकता के परिणाम सार्थक दिशा की ओर अग्रसर होंगे। माह की शुरुआत मे ग्रहस्थ जीवन के अनुभव बेहतरीन रहेंगे। विवादित क्रिया–कलाप से अपने आप को बचाये रखना हितकर होगा। माह के दूसरे सप्ताह जीविका सम्बन्धित मामलो मे उन्नति होगी। धनागम सम्बन्धी कार्यक्रमो मे आपकी संलग्नता बड़ेगी उपहार लाभ की स्थिति भी निर्मित होंगी। मातृ पक्ष से मानसिक असंतोष का सामना करना पड़ सकता है। तारीख 1, 2, 6, 7, 8, 9, 10 शुभप्रद है। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पति को केले के वृक्ष मे जल देना उत्तम प्रतीत होगा। लाभ प्राप्त होगा।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः–

1. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम्, धनत्रयोदशी, धनवन्तरी जयन्ती, कामेश्वरी जयन्ती, 01 नवम्बर, शुक्रवार।
2. नरक चतुर्दशी, दीपदान, हनुमान जयन्ती, 02 नवम्बर, शनिवार।
3. दीपावली, स्नान दान श्राद्ध की अमावस्या, 03 नवम्बर, रविवार।
4. अन्नकूट बलि पूजन प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा, मार्ग पाली बन्धन, 04 नवम्बर, सोमवार।
5. यम द्वितीया, भ्रात द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा, 05 नवम्बर, मंगलवार।
6. वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, सौभाग्य पंचमी, 07 नवम्बर, बृहस्पतिवार।
7. गोपाष्टमी, दुर्गा अष्टमी, ओली प्रारम्भ (जैन) रात्रि मे 01 बजकर 44 मिनट से पंचक प्रारम्भ, 10 नवम्बर, रविवार।
8. हरि प्रबोधिनी एकादशी सर्वेषाम, 13 नवम्बर, बुधवार।
9. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् पंचक समाप्त, 15 नवम्बर, शुक्रवार।
10. स्नान दान और व्रत की पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा, गुरु नानक देव जयन्ती, कार्तिकेय दर्शन, भीष्म पंचक समाप्त, 17 नवम्बर, रविवार।

11. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 30 मिनट पर, 21 नवम्बर, बृहस्पतिवार।
12. काल भैरवाष्टमी, रुक्मिणी अष्टमी, काला अष्टमी, 25 नवम्बर, सोमवार।
13. उत्पन्ना एकादषी व्रतम् सर्वेषाम, 29 नवम्बर, शुक्रवार।
14. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, 30 नवम्बर, शनिवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in